# येशु के साथ रिश्ता बनाईये

यिर्मयाह 30:21 *उनका महापुरुष उन्हीं में से होगा, और जो उन पर प्रभुता करेगा, वह उन्हीं में से उत्पन्न होगा; मैं उसे अपने निकट बुलाऊंगा, और वह मेरे समीप आ भी जाएगा, क्योंकि कौन है जो अपने आप मेरे समीप आ सकता है? यहोवा की यही वाणी है।*

## अध्याय का ध्यान:

1) प्रार्थना येशु के जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा था और हर अगवे की ताकत
2) वास्तविकता में सीखना है कि परमेश्वर के साथ सम्बन्ध कैसे बरकरार और विकसित करना है
3) आत्मिकता में नेतृत्व करने के लिए, परमेश्वर के साथ गेहरा सम्बन्ध होना चाहिए
4) नियमित आधार पर लोगों की ज़रूरतों को परमेश्वर के सामने लाना चाहिए

## 1. महान अगुवों ने हमेशा ध्यान रखा कि उनका रिश्ता परमेश्वर मे बना रहे

- आपका प्रार्थना समय गहरा होना चाहिए ।
- अब्राहिम जहा भी जाता अपने परमेश्वर के लिए वेदी बनाता । **(उत्पत्ति12:7, 8; 13:18; 22:9)**
- मूसा अक्सर जाकर परमेश्वर से तम्बू में मिलता । **(निर्गमन 33:7-11)**
- शमूएल अक्सर परमेश्वर से बात करता और जगह जगह जाता । **(1 शमूएल 3:21; 7:17)**
- दाऊद ने अपनी विनतियां सुबह रखी और दिल से परमेश्वर से मिलना चाहता था । **(भजन संहिता 5:3; 42:1-2)**
- एलिय्याह होरेब पहाड़ी पर गया ।**(1 राजा 19:8)**
- दानिय्येल ने दिन मे तीन बार प्रार्थना करी । **(दानिय्येल6:10)**
- येशु सुबह उठता था । **(मरकुस 1:35)**
- पतरस और यूहन्ना प्रार्थना के समय मंदिर जाते थे ।**(प्रेरित 3:1)**
- पौलुस प्रार्थना स्थल पर गया । **प्रेरित 16:13, 16)**
- ☼ इन सभी अगुवों ने अपनी प्रधानता परमेश्वर से मिलने और उससे संबंध बनाने मे रखा ।
- आप आत्मिक अगुवे नहीं हो सकते अगर आपका येशु से रिश्ता नहीं है जो कि आपकी शक्ति का स्रोत है ।

## 2. येशु से रिश्ता शुरू होता है प्रतिदिन परमेश्वर के साथ समय बिताने से

- हम परमेश्वर से रिश्ता बनाते है उसके साथ समय बिताकर और पवित्र शास्त्र को पढ़कर

- परमेश्वर ने राजा को हर दिन वचन पढ़ने कि आज्ञा दि I

व्यवस्थाविवरण 17:18-20 *और जब वह राजगद्दी पर विराजमान हो, तब इसी व्यवस्था की पुस्तक, जो लेवीय याजकों के पास रहेगी, उसकी एक नकल अपने लिये कर ले। और वह उसे अपने पास रखे, और अपने जीवन भर उसको पढ़ा करे, जिस से वह अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना, और इस व्यवस्था और इन विधियों की सारी बातों के मानने में चौकसी करना सीखे; जिस से वह अपने मन में घमण्ड करके अपने भाइयों को तुच्छ न जाने, और इन आज्ञाओं से न तो दाहिने मुड़े और न बाएं; जिस से कि वह और उसके वंश के लोग इस्राएलियों के मध्य बहुत दिनों तक राज्य करते रहें॥*

- रजा को आज्ञा दी गयी कि वह वचन को ज़िन्दगी भर पढ़े ताकि :
  1. उसमे परमेश्वर का भय रहे (यह हमको पाप से दूर रखता है, निर्गमन 20:20)
  2. परमेश्वर के वचनों का अनुकरण करे
  3. भाइयों के बीच दीनता रखे

  - जब तक आप प्रतिदिन वचन न पढ़े और उसका अध्ययन न करे तो आप बेहतरीन अगुवाई नहीं कर सकते I

- परमेश्वर ने यहोशू को हर दिन वचनो पर अध्ययन करने कि आज्ञा दी I

यहोशू 1:8 *व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा।*

- हर दिन वचनो का अध्ययन करो ताकि आप हर वचन का पालन कर सको , तब आप सफलता और कामयाबी पाएंगे I
- येशु ने शिष्यो को आज्ञा दी कि निरंतर प्रार्थना करो I

लूका 18:1 *फिर उस ने इस के विषय में कि नित्य प्रार्थना करना और हियाव न छोड़ना चाहिए उन से यह दृष्टान्त कहा।*

- यह एक कार्य है जो हमे कभी नहीं छोड़ना चाहिए ।

## 3. मसीह से संबंध रखना मतलब मात्र प्रार्थना करना नहीं है

- प्रार्थना करना पहला कदम है लेकिन येशु से रिश्ता बनाने का तरीका केवल यह नहीं I

**- गीत गाना**

प्रेरित 16:25 *आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और बन्धुए उन की सुन रहे थे।*

इफिसियों 5:19 *और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने अपने मन में प्रभु के साम्हने गाते और कीर्तन करते रहो।*

**- वचन याद करना**

भजन संहिता 119:11 *मैं ने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूं।*

**- शिष्यो से संगती में समय बिताना**

1 शमूएल 23:16 *कि शाऊल का पुत्र योनातन उठ कर उसके पास होरेश में गया, और परमेश्वर की चर्चा करके उसको ढाढ़स दिलाया।*

- येशु से रिश्ता बनाकर रखने के लिए हमें अक्सर दूसरों कि सहायता कि ज़रुरत पडती है I
- हमें कोशिश करना है कि परमेश्वर कि इच्छा को खोजे और उसकी धीमी आवाज़ सुने I

1 राजा 19:11-12 *उसने कहा, निकलकर यहोवा के सम्मुख पर्वत पर खड़ा हो। और यहोवा पास से हो कर चला, और यहोवा के साम्हने एक बड़ी प्रचण्ड आन्धी से पहाड़ फटने और चट्टानें टूटने लगीं, तौभी यहोवा उस आन्धी में न था; फिर आन्धी के बाद भूईडोल हूआ, तौभी यहोवा उस भूईडोल में न था। फिर भूईडोल के बाद आग दिखाई दी, तौभी यहोवा उस आग में न था; फिर आग के बाद एक दबा हुआ धीमा शब्द सुनाई दिया।*

- परमेश्वर ने एलिय्याह से बहुत ही धीमी स्वर में बात किया था I

Q: क्या आप पवित्र आत्मा कि आवाज़ सुनने के लिए शांत रहते है ? क्या आप उसका कहना मानते है ?

☼ परमेश्वर से ऐसा रिश्ता बनाओ कि आप उसके मन चाहे अगुवे बन सको और लोगों को परमेश्वर के कहे अनुसार मार्गदर्शन कर सको I

## विचार विमर्श के लिए सवाल :

1) आपका परमेश्वर के साथ रिश्ता या दोस्ती कैसी चल रही है ?
2) परमेश्वर के साथ आपके चाल चलन ने आपकी अगुवाई पर कैसा असर डाला है ?
3) परमेश्वर से अच्छा सम्बन्ध बनाने के लिए आप अब क्या कर सकते है ?

घर के लिए काम : प्रार्थना कि एक विशिष्ट सूची बनाईये I सबके साथ और सबके लिए अपने फॅमिली ग्रुप में प्रार्थना कीजिये I वचन पड़ने कि और मसीह येशु से गहरा सम्बन्ध बनाने कि एक विशिष्ट योजना बनाईये I